

जैन विद्या प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम 2018

प्रथम पत्र

जैन इतिहास, साहित्य और संस्कृति

प्रथमपत्रम्		Code -960	
इकाई	विषय: जैन इतिहास, साहित्य और संस्कृति	अंक: 80+20 =100	क्रेडिट(5+1=6)
1.	<ul style="list-style-type: none"> • जैनधर्म की प्राचीनता, मोहन जोदड़ो, हड़प्पा में जैन संस्कृति • जैन धर्म का प्रागैतिहासिक काल (तीर्थंकर ऋषभदेव से तीर्थंकर अरिष्टनेमि तक) • जैनधर्म की ऐतिहासिकता(तीर्थंकरपार्श्वनाथ और तीर्थंकर महावीर) • प्रमुख जैन शिलालेख परिचय - हाथीगुम्फा, गिरनार 	16	1
2.	<ul style="list-style-type: none"> • भगवान् महावीर के पश्चात् जैन धर्म, गणधर, आचार्य परंपरा • जैन सम्प्रदाय (दिगम्बर, श्वेताम्बर), • उपसंप्रदाय, संघभेद • जैन शिक्षा के प्रमुख केंद्र - श्रवणबेलगोला, वाराणसी, जयपुर, लाडनूँ, अहमदाबाद, वैशाली, दिल्ली आदि 	16	1
3.	<ul style="list-style-type: none"> • जैन संस्कृति के प्रमुख लक्षण और विशेषताएं • जैनधर्म का सामाजिक स्वरूप • जैन उपासना पद्धति • जैन प्राकृत आगम परंपरा 	16	1
4.	<ul style="list-style-type: none"> • प्रमुख जैन पर्व और तीर्थ • जैन कला और पुरातत्व (चित्रकला, मूर्तिकला और स्थापत्य कला) • प्रमुख जैन सम्राट • प्रमुख जैन विद्वान् तथा स्वतंत्रता सेनानी 	16	1
5.	प्रायोगिक - जैन शैक्षणिक, पुरातात्विक, कलात्मक, ऐतिहासिक, तीर्थ स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण तथा भक्तामारस्तोत्र, महावीराष्टक, णमोकारमंत्र का शुद्ध उच्चारण अभ्यास	16	1
6.	आंतरिकमूल्यांकनम् -(प्राकृतगाथा-संस्कृतश्लोकोच्चारण अभ्यास-5अंक, संगोष्ठी-5अंक, मौखिकपरीक्षा-5अंक, उपस्थिति-5अंक)	20	1

1

K
28/3/18
mi

द्वितीय पत्र
जैनदर्शन के प्रमुख सिद्धांत

इकाई	विषय:	अंक: 80+20 =100	क्रेडिट(5+1=6)
1.	रत्नत्रय- मोक्षमार्ग • सम्यग्दर्शन का स्वरूप, भेद-प्रभेद • सम्यग्ज्ञान का स्वरूप, भेद-प्रभेद • सम्यग्चारित्र का स्वरूप, भेद प्रभेद	16	1
2.	ज्ञान मीमांसा (आधारभूतग्रन्थ ,प्रत्यक्ष -परोक्ष ज्ञान)	16	1
3.	• तत्त्वमीमांसा (आधारभूत ग्रन्थ ,सात तत्त्व ,नौ पदार्थ) • द्रव्यमीमांसा (आधारभूत ग्रन्थ ,सत्ता का स्वरूप , षड्द्रव्य विवेचन)	16	1
4.	आचारमीमांसा • श्रावकाचार-बारह व्रत , षडावश्यक,सल्लेखना /संधारा • श्रमणाचार- अट्टाईस मूलगुण ,बाईस परिषहजय	16	1
5.	• अनेकांत का स्वरूप ,भेद-प्रभेद • स्याद्वाद का स्वरूप • सप्तभंग का स्वरूप • नय का सिद्धांत (निश्चय नय और व्यवहार नय)	16	1
6.	आंतरिकमूल्यांकन (प्राकृतगाथा-संस्कृतक्षोकोच्चारण अभ्यास-5 अंक,संगोष्ठी-5 अंक,मौखिकपरीक्षा-5 अंक,उपस्थिति-5 अंक.)	20	1

सन्दर्भग्रन्थाः -

- 1.जैन धर्म - डॉ कैलाशचन्द्र शास्त्री, प्रकाशक - श्री दिगम्बर जैन संघ मथुरा , शान्तिसागर 'छाणी' स्मृति ग्रन्थमाला , प्रथम तल, 247, दिल्ली रोड, मेरठ
- 2.जैन धर्म और दर्शन- मुनि प्रमाणसागर जी, प्रकाशक- राजपाल एण्ड संस, कश्मीरी गेट, दिल्ली
- 3.जैन दर्शन मनन और मीमांसा- आचार्य महाप्रज्ञ, प्रकाशक- आदर्श साहित्य संघ, चुरू (राज.)
- 4.जैन दर्शन - डॉ. महेंद्र कुमार न्यायाचार्य, श्री गणेशवर्णी शोध संस्थान, वाराणसी
- 5.परमभाव प्रकाशक नयचक्र- डॉ. हुकुमचंद भारिल्ल, टोडरमल स्मारक ,बापू नगर, जयपुर

